दिसंबर, 2024

माह के दौरान 25 कार्यक्रम

कैम्पस में	स्थल पर
15	05

ऑनलाइन

05

माह दिसंबर में मुख्य कार्यक्रम विषय

- कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए परियोजना ऋण पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम
- स्प्रिंगशेड विकास - परियोजना रणनीति और स्थिरता
- वाटरशेड प्लस दृष्टिकोण - जलवायु प्रूफिंग के माध्यम से जोखिम शमन
- साइबर खतरों की रोकथाम और प्रबंधन के लिए रणनीतियाँ
- सोशल स्टॉक एक्सचेंज (SSE) की मूल बातें
- डिजिटल नेटिव बैंकिंग
- बैंकिंग में फिनटेक और अकाउंट एग्रीगेटर्स की भूमिका' पर कार्यशाला
- व्यापार परिवर्तन ग्रामीण सहकारी बैंकों/पैक्स के वित्तीय स्वास्थ्य में सुधार के लिए रणनीतियाँ
- उत्पादों का विपणन

टीयू-सिबिल और सा-धन के सहयोग से क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के अध्यक्षों के लिए कार्यशाला

•नाबार्ड के अध्यक्ष श्री शाजी के.वी. की अध्यक्षता में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के अध्यक्षों के लिए 'व्यवसाय विविधीकरण' और 'महिला उद्यमों के वित्तपोषण' पर कार्यशाला का आयोजन बर्ड, लखनऊ में किया गया।

•अध्यक्ष ने अपने उद्घाटन भाषण में इस बात पर जोर दिया कि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक देश के मूल माइक्रोफाइनेंस संस्थान हैं और उन्हें खुद को मजबूत बनाने और अपने व्यवसायों में विविधता लाने की आवश्यकता है ताकि वे औपचारिक और अनौपचारिक वित्तीय संस्थानों से खोई जमीन वापस पा सकें।

•टीयू-सिबिल ने 'व्यवसाय विविधीकरण' पर एक सत्र आयोजित किया, जिसमें ग्राहक जीवनचक्र के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई, जिसमें लाभदायक खंडों की पहचान, जोखिम में कमी और विकास पर ध्यान केंद्रित करना शामिल था।

•सा-धन द्वारा आयोजित सत्र एनआरएलएम के उद्यम वित्तपोषण कार्यक्रम, इसके कार्यान्वयन ढांचे, क्षमता निर्माण प्रयासों, ऋण आवेदन प्रक्रिया और उपकरणों को समझने पर केंद्रित था।

कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र के लिए परियोजना ऋण पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम

माह की प्रमुख पहल

- भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग कार्यक्रम (आईटीईसी) के तत्वावधान में "कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र के लिए परियोजना ऋण" पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम 16 से 20 दिसंबर 2024 के बीच बर्ड, लखनऊ द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 10 देशों अर्थात् इथियोपिया, केन्या, श्रीलंका, मैक्सिको, मॉरीशस, मलावी, दक्षिण सूडान, टोगो, उज्बेकिस्तान और जिम्बाब्वे के 16 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- कार्यक्रम मुख्य रूप से भारतीय कृषि और बैंकिंग क्षेत्र में हाल के विकास, ऋण नियोजन, परियोजना मूल्यांकन तकनीक, कृषि-मूल्य श्रृंखला वित्तपोषण, डेयरी, पोल्ट्री, मत्स्य पालन, सिंचाई और कृषि मशीनीकरण परियोजनाओं के मूल्यांकन पर केंद्रित था।
- कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण श्री विराज सिंह, आईएफएस, अतिरिक्त सचिव, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार का दौरा था। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के निदेशक श्री अरिंदम भट्टाचार्य, आईएफएस, भारत सरकार के साथ कार्यक्रम के समापन सत्र में शामिल हुए।
- श्री विराज सिंह, आईएफएस ने बर्ड के संकाय सदस्यों के साथ विस्तृत बातचीत की, जिसमें भविष्य में सहयोग के संभावित क्षेत्रों पर चर्चा की गई, जिसमें ऑन-लोकेशन आईटीईसी कार्यक्रमों का आयोजन भी शामिल था। उन्होंने बर्ड, लखनऊ में स्थापित जलवायु परिवर्तन प्रयोगशाला का भी दौरा किया, जिसमें आईटीईसी कार्यक्रमों के लिए सुविधाओं के इष्टतम उपयोग के तरीकों पर विचार-विमर्श किया गया।

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित ग्रामीण भारत महोत्सव में बर्ड की जलवायु परिवर्तन प्रयोगशाला प्रदर्शनी की विजिट करें

- ग्रामीण भारत महोत्सव 2025 का आयोजन नाबार्ड और डीएफएस द्वारा 4 से 9 जनवरी, 2025 तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में सरकारी अधिकारी, विचारक, ग्रामीण उद्यमी और विभिन्न क्षेत्रों के हितधारक एक साथ मिलकर ऐसी पहलों पर सहयोग करेंगे जो ग्रामीण विकास को बढ़ावा दें।
- ग्रामीण भारत महोत्सव में बर्ड की जलवायु परिवर्तन प्रयोगशाला प्रदर्शनी देखें और जलवायु लचीलापन और सतत विकास के लिए अभिनव समाधान खोजें। व्यावहारिक शिक्षा का अनुभव करें और हरित भविष्य को आकार देने वाले विशेषज्ञों से जुड़ें!

(इस कार्यक्रम के लिए पंजीकरण हेतु यहां क्लिक करें)

शब्दावली

स्वच्छ विकास तंत्र (सीडीएम)

स्वच्छ विकास तंत्र (सीडीएम) क्योटो प्रोटोकॉल के तहत एक तंत्र है जिसके माध्यम से विकसित देश विकासशील देशों में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी या उसे हटाने से संबंधित परियोजनाओं को वित्तपोषित कर सकते हैं और बदले में ऐसा करने के लिए कार्बन क्रेडिट प्राप्त कर सकते हैं जिसका उपयोग वे अपने उत्सर्जन पर अनिवार्य सीमाओं को पूरा करने के लिए कर सकते हैं।

हमारे आगामी कार्यक्रम देखने के लिए QR स्कैन करें

www.birdlucknow.nabard.org

श्री करण शर्मा, सहायक प्रबंधक, बर्ड द्वारा तैयार किया गया